पाठ - 1 जब बोलो

अभ्यास के लिए कुछ प्रश्न

1. हमें .... कर बोलना चाहिए ।
   गुस्सा / सोच - समझ / खड़े हो / बिना विचार
2. हमें .... बात नहीं करनी चाहिए ।
   हँस कर / अकड़ कर / मीठी / सोच- समझकर
3. हमें मन की गाँठें कैसे खोलनी चाहिए ? [हंस कर / रो कर / ऊंची आवाज में / गुस्से से]
4. हमें दूसरों के साथ कैसे बात करनी चाहिए?
   झुक कर / सोच समझ कर / हँस कर / उपरोक्त सारे
5. ''जब बोलो, तब हंस कर बोलो'' .... अगली पंक्ति बताओ?
   सोच समझ कर रुक कर बोलो / कभी ना बातें रच रच बोलो / सदा सच सच बोलो / बातों में मिश्री सी घोलो
6. रच शब्द का तुकांत बताओ? [चल / सब / जच / रस]
7. हमें सदा .... बोलना चाहिए ? [झूठ / चीखकर / सच / तेज - तेज़]
8. नीचे गुरुमुखी लिपी में लिखे वाक्य को देवनागरी लिपी में लिखें ,"ਹੱਸ ਕੇ ਬੋਲੋ। "
   ....
9. किताब से किताबें तो बात से .... [बाती / बोलो / बातुनी / बातें]
10. सच - झूठ तो हँसना .... [उदास / रुलाना / रोना / दुःखी होना]
11. सही शब्द पर घेरा लगाएं । [मिसरी / मिश्री / मिश्री / मिशरी]
12. हमें बड़ों को प्रणाम करना चाहिए [कभी-कभी / ईनाम मिलने पर / हर रोज़/ उनके कहने पर]
13. आपस में मिलजुलकर रहने से बढ़ता है .... [सम्मान / खर्चा / भाईचारा / पैसा]
14. कौन सा वाक्य पाठ से संबध नहीं रखता ?
    हमें प्रतिदिन स्नान करना चाहिए / हमें अपनी बात सोच समझ कर बोलनी चाहिए ।
    हमें झुककर बोलना चाहिए / हमें हँसकर बोलना चाहिए।
15. कविता से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? अपने विचार प्रकट करें ।
    ....

अध्यापक पूर्ण अध्याय करवाने के उपरांत विद्यार्थी से कार्य पत्रिका के प्रश्न हल करवाएँगे और निम्न तालिका में दर्ज करेंगे कि कितने विद्यार्थी शिक्षण समप्राप्तियाँ हासिल कर पाए।

प्रतिशत %	विद्यार्थियों की गिनती
30% से कम	
30% से 80% कम	
80% से ज्यादा	